RAJYA SABHA

Monday, the 5th December, 1988/14th Agrahayana, 1910 (Saka)

The House met at eleven of the clock. **Mr. Chairman** in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Manufacture of Cellular Mobile Radio Telephones

*321. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry has urged upon Government to allow private sector to set up cellular mobile radio telephone network and also for the manufacture of equipment therefor;

(b) if so, whether Government have since examined the views expressed by FICCI in this regard; and

(c) if so, what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise in view of (a) above.

श्री हरवेंद्र सिंह हंसपाल : सभापति महोदय, मन्त्री महोदय ने इसका जवाब "नो सर" कह दिया। मैंने क्वेश्चन में पूछा था कि "फिक्की" ने सेल्युलर मोबाइल रेडियो टेलीफोन नेटवर्क को हिन्दुस्तान में प्राइवेट सेक्टर में बनाने के लिए कुछ डिमांड किया है लेकिन जो मैं सवाल पूछना चाहता हूं वह यह है कि अगर प्राइवेट सेक्टर में नहीं भी बनाना है तो जो सेल्युलर मोबाइल रेडियो टेलीफोन नेटवर्क है क्या सरकार इसके ऊपर विचार कर रही है कि अपने देश के अन्दर इसको इंट्रोड्यूस किया जाए जिससे कि प्रेजेंट सिस्टम जो इस वक्त देश में चल रहा है उसके ऊपर काफी लोड कम किया जा सके।

श्री बीर बहादुर सिंह : सभापति जी, यह बात सही है कि सेल्युलर टेलीफोन सिस्टम के बारे में बहुत पहले से विचार हो रहा है। 1984 में पहले विचार किया गया था कि इस प्रणाली को यहां पर लाया जाए लेकिन बीच में बहुत सी बातें हुई जिससे इसे स्थगित कर दिया गया। इस पर हम विचार कर रहे हैं कि किस तरह से किया जाए लेकिन प्राइवेट सेक्टर में जाने का कोई विचार नहीं है।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : ठीक है मन्त्री महोदय, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि यह सिस्टम आप कब तक देश के अन्दर लागू कर सकेंगे?

श्री बीर बहादुर सिंह : पहले तो बम्बई और उस के आसपास के एरिया के लिए यह सिस्टम लागू करने के लिए सोचा गया था यानी शुरुआत वहां से की जाएगी। बम्बई और उसके आसपास के एरिया के लिए इस प्रणाली को उचित समझा गया है इसके बाद जब यह प्रणाली अच्छी साबित होगी तो और जगहों पर यह सिस्टम शुरू किया जाएगा।

श्री सभापति : दिल्ली में बाद में आएगा, एम.पीज. को बाद में मिलेगा। Yes, Mr. Bagrodia.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, I would like to know from the honourable Minister whether the Government has taken note of the criticism that the benefits of the scheme will not be commensurate with the heavy expenditure which is involved. Also, I would like to know what will be the extent of availability of the scheme to the general public and what the proposed priorities are for the allotment of the facility to the various categories of users.

श्री वीर बहादुर सिंह : मान्यवर, यह मैंने पहले भी कहा कि यह आलोचना का विषय है, लोग बार-बार कहते हैं कि यह प्रणाली बड़े लोगों के लिए, धनवानों के लिए है, साधारण लोगों के लिए नहीं है। जहां पर यह प्रणाली अपनाई गई है इससे कामर्स, इंडस्ट्री तथा अन्य क्षेत्रों में काफी विकास हुआ है, फायदा हुआ है। इसलिए यह प्रणाली जहां लागू हो सकती है इसको लागू किया जाना चाहिये। और जगह जहां दूसरी प्रणाली होगी उसको लागू किया जाएगा।

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Narayanasamy.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, there are two divergent views. One is for introducing the system and the other is against it. The other group is opposing the system. For proper rural development, the cellular mobile radio telephones are more suitable in the rural areas and this view also was expressed by the earlier Communications Minister, Mr. Vasant Sathe, who had said that this would be more suitable in the rural areas. Therefore, I would like to know from the honourable Minister whether priority will be given to the rural sector where the present telephone network is not properly functioning and in most of the rural areas, Sir, telephone facilities are not available.

श्री वीर बहादुर सिंह : मान्यवर, यह बात नहीं है। आज की परिस्थिति में देखा गया है कि जो सिस्टम ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अपनाया गया है ओपेन वायर का या जहां पर केबल डाले जाते हैं इनमें काफी परेशानी होती है, ओपेन वायर खराब हो जाते हैं या आंधी तूफान में गड़बड़ हो जाती है। इसलिए यह जो रेडियो सिस्टम है यह अच्छा सिस्टम दिखलाई दे रहा है और इस पर हम विचार कर रहे है।

श्री सभापति : अभी शुरू नहीं किया है।

श्री वीर बहादुर सिंह : अभी नहीं।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 1989-90 के वर्ष को उत्पादकता वर्ष के रूप में मनाया जाना

*322. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :†

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 1989-90 के वर्ष को उत्पादकता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो उस वर्ष के लिए कुल कितने उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ग) इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ; और

(घ) उक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बनाई गई योजना का ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम्): (क) से (घ) यद्यपि खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग ने 1989-90 के वर्ष को उत्पादकता वर्ष के रूप में मनाने हेतु कोई घोषणा नहीं की है, तथापि आयोग खादी तथा ग्रामोद्योग में उत्पादकता बढ़ाने के संबंध में लगातार प्रयत्न करता रहा है।

SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: I am afraid the answer is extremely brief and gives no information. There have been constant complaints that the poor weavers in various States are in dire difficulty. So I would particularly like to know what is

†सभा में यह प्रश्न सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा द्वारा पूछा गया।